बाल मजदूरों को मिली मुक्ति की राह

रंगीले राजस्थान की राजधानी (गुलाबी नगर) जयपुर में आज भी हजारों–लाखों बच्चें बाल श्रम की अग्नि में जिन्दा जल रहे है। सरेआम बाजारों में लगी दुकानों, होटलों तथा भट्टों पर सिर्फ दो जुन की रोटी के लिए तरस्ते अपने बचपन को शोषणकर्ताओं के हाथ मं सौंपकर बालश्रम रूपी काल का भोजन–थाल बन रहे है। स्वामी अग्निवेश जी के नैतृत्व एवं निर्देशन में कार्यरत कार्यकर्ताओं ने माह–जून, 2011 में कुल 244 बाल मजदूरों को मुक्त करवाकर पुनर्वासित किया गया।

- दिनांक : 18 जून, 2011 को जिला–जयपुर (राजस्थान) में बंधुआ मुक्ति मोर्चा व जिला प्रशासन के सहयोग से आरी–तारी साड़ी उद्योग तथा ईंट भट्टे में कार्यरत 229 बाल मजदूर मुक्त करवायें तथा मुक्त बाल मजदूरों को उनके निवास गृह में पुनर्वासित किया गया।
- दिनांक 27 जून, 2011 को अलवर (राजस्थान) में विन्टेज डिस्टलरी लिमिटेड (शराब फैक्ट्री) एवं अंजनी फूड कैम लिमिटेड (प्लाई फैक्ट्री) से बंधुआ मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं, श्रम निरीक्षक, मिडियाकर्मी के प्रयास से 5 बाल मजदूर मुक्त करवाकर उनके घर में पुनर्वास दिया गया।
- 29–30 जून, 2011 को अलवर (राजस्थान) में बंधुआ मुक्ति मोर्चा के कार्यकताओं, श्रम निरीक्षक, पुलिस प्रशासन के प्रयास से विभिन्न स्थानों जैसे–दुकानों, होटलों तथा भट्टों पर पर छापा मारकर 10 बाल मजदूर मुक्त करवाकर उनके घर में पुनर्वास दिया गया।

आर्थिक शोषण से मुक्ति

1. दिनांक 6 जून, 2011 को बंधुआ मुक्ति–7, जन्तर मन्तर रोड स्थित केन्द्रीय कार्यालय में श्री राज किशोर एवं उसके 6 मजदूर साथियों ने स्वामी अग्निवेश जी के समक्ष अपने आर्थिक शोषण का बयान करते हुए मजदूरों ने बताया कि हम सभी सात मजदूर बिहार के रहने वाले है तथा हरियाणा के झज्जर जिले में श्री बबलू भाई के ए0बी0सी0 भट्टे पर ईंट बनाने का कार्य कर रहे थे। ए0बी0सी0 भट्टा मालिक श्री बबलू भाई ने लगभग 1 माह से हमें खाने–पीने हेतू खर्च भी नही दिया है और हमें कहता है कि उल्टे आप सभी मजदूर मिलकर

मुझे 50,000 रू0 दो क्यों कि मैं तुम्हे 50,000 रू0 और अधिक दे चुका हूं। मजदूरों के विरोध पदर्शन करने पर मालिक ने मजदूरों के घरेलू समान को भी जब्त कर लिया और मजदूरों को डरा धमका कर भगा दिया। दिनांक 19 जून, 2011 को स्वामी अग्निवेश जी ने जिला–झज्जर(हरियाणा) के एस0पी0 से सहयोग लेकर मजदूरों को उनकी कुल 35,000 रू0 मजदूरी का भुगतान कराया और जब्त घरेलू समान वापस मजदूरों को लौटाया। सातों मजदूर आर्थिक शोषण से मुक्त होकर जब बंधुआ मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय कार्यालय में आकर स्वामी अग्निवेश जी से मिले तो उनकी खुशी का ठिकाना नही था। वे सभी मजदूर साथी आर्थिक शोषण से मुक्ति दिलाने वाले संगठन–बंधुआ मुक्ति मोर्चा के सदस्य बने तथा बिहार में ही नही वरन् जहां भी जिस जगह वे मजदूरी करेंगें वहीं मजदूरों के बीच बंधुआ मुक्ति मोर्चा का प्रचार प्रसार करेंगें और शोषित लोगों को गुलामी और शोषण की जंजीरों से मुक्त करवाने में सहयाग भी करेंगें इस प्रकार का संकल्प मजदूरों द्वारा लिया गया।

2. बंधुआ मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं के प्रयास से दिनांक : 27 जून, 2011 को अंजनी फूड कैम लिमिटेड (प्लाई फैक्ट्री) अलवर (राजस्थान) में कार्य कर चुके 18 मजदूरों का बकाया कुल 51,510 रू0 का नकद भुगतान करवाया गया।